

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज

भोपाल, शनिवार 18 से 24 जुलाई 2026

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष- 14

अंक-101

पृष्ठ- 8

मूल्य- रु. 5 /-

मंत्रिमंडल ने सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी: PM नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने सेमीकंडक्टर उद्योग को दीर्घकालिक समर्थन

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम, चिप मैनुफैक्चरिंग को नई ऊंचाई

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकॉन 2.0 योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने इस फैसले से देश में सेमीकंडक्टर उद्योग को दीर्घकालिक नीतिगत समर्थन देने की प्रतिबद्धता पूरी की है। यह योजना भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर सप्लाय चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। इसके तहत नए प्लांट्स, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और स्किल डेवलपमेंट पर जोर दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य डोमेस्टिक मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देकर आयात पर निर्भरता कम करना है।

इस खबर से सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। टाटा एलीएसआई, क्यूएल इंडिया, डिकसन टेक्नोलॉजीज, स्पेल सेमिकंडक्टर और अन्य संबंधित कंपनियां लाभान्वित होंगी।

PM मोदी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने सेमीकॉन 2.0 को रणनीतिक महत्व दिया है। यह योजना भारत को चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन और असेंबली में आत्मनिर्भर बनाएगी।

यह फैसला देश की अर्थव्यवस्था और रक्षा क्षेत्र दोनों के लिए फायदेमंद होगा। सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश बढ़ने से रोजगार सृजन और टेक्नोलॉजी विकास को गति मिलेगी।



एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0: CM डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ₹40,000 करोड़ निवेश का नया रिकॉर्ड

मध्य प्रदेश टेक हब बनने की राह पर, मुख्यमंत्री का बड़ा बयान; स्टार्टअप्स और युवा उद्यमियों को मिलेगा जोरदार बूस्ट

भोपाल: मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में ₹40,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर हुए। यह उपलब्धि राज्य को टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, “मध्य प्रदेश अब टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और उद्यमिता का नया केंद्र बनेगा। यह निवेश युवाओं को रोजगार और नए अवसर प्रदान करेगा। हमारी सरकार स्टार्टअप्स, आईटी और डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है।”

कॉन्क्लेव में आईटी, फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और डीप टेक से जुड़ी कंपनियों ने भाग लिया। इन निवेशों से राज्य में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। नए डेटा सेंटर, सॉफ्टवेयर पार्क और इनक्यूबेशन सेंटर्स विकसित किए जाएंगे।

यह आयोजन मध्य प्रदेश की निवेश नीति और बिजनेस फ्रेंडली माहौल का प्रमाण है। मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है। टेक सेक्टर में यह सफलता पूरे देश के लिए उदाहरण बनेगी।

कॉन्क्लेव में उद्योग जगत के प्रमुख लोगों ने भाग लिया और भविष्य की साझेदारियों पर चर्चा की। मध्य प्रदेश अब टेक्नोलॉजी ड्रिवन विकास का प्रतीक बनने जा रहा है।



Start SIP now. And let time do the rest.

“Son, one day you'll appreciate the truly important things in life”

Today's Discipline

Tomorrow's Rewards

“Thanks, Dad.”

Not Sure Where To Begin?

Connect To Know More



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025

visionadvisorymkt@gmail.com



China's Economic Growth Slows Unexpectedly, Missing Official Target Amid Global Headwinds

Weak Domestic Demand and Trade Tensions Hit Momentum; Implications for Global Markets and Commodities

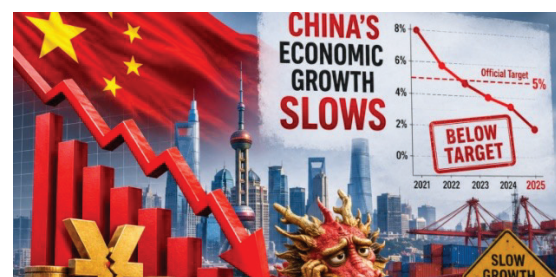
New Delhi: China's economy expanded at a slower-than-expected pace in the recent quarter, falling short of the government's official growth target. The latest data revealed weakening consumer spending, sluggish property market recovery, and softening industrial output, raising concerns among policymakers and global investors.

Analysts attribute the slowdown to persistent challenges including high youth unemployment, declining exports due to trade tensions, and cautious household spending. While government stimulus measures have provided some support, their impact remains limited in reviving robust growth.

This development comes as a setback for Beijing's efforts to stabilise the world's second-largest economy. Officials have signalled further policy support, including potential rate cuts and targeted fiscal measures, to boost domestic demand and technological self-reliance.

The news triggered cautious reactions in global markets, with commodity prices under pressure and Asian equities seeing volatility. For India, slower Chinese growth could mean moderated demand for certain exports but potential opportunities in alternative supply chains.

The unexpected slowdown highlights the structural challenges facing China's economy as it transitions towards high-quality, consumption-led growth. How effectively Beijing responds in the coming months will be closely watched by global investors and trading partners worldwide.



अमेरिकी सीनेट का 100% टैरिफ बम: रूसी तेल खरीदने वाले भारत समेत 5 देशों पर सख्त कार्रवाई!

ऊर्जा सुरक्षा और निर्यात पर भारी असर, ट्रंप प्रशासन की रूस नीति भारत की अर्थव्यवस्था को चुनौती देगी

नई दिल्ली: अमेरिकी सीनेट में पेश एक द्विदलीय विधेयक ने भारत सहित रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों को 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा पैदा कर दिया है। मृतक सीनेटर लिंडसे ग्राहम के प्रस्तावित विधेयक के संशोधित रूप में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे पांच प्रमुख देशों पर यह सजा तय की गई है, जो रूसी तेल और गैस की खरीद जारी रख रहे हैं।

यह विधेयक रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने और रूस की ऊर्जा आय को कम करने का लक्ष्य रखता है। मूल प्रस्ताव में 500 प्रतिशत टैरिफ का प्रावधान था, लेकिन अब इसे 100 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। सीनेटर रिचर्ड ब्लूमथल ने कहा कि यह लक्षित कार्रवाई है,

जिसमें राष्ट्रपति को राष्ट्रीय हित में छूट देने का अधिकार भी है। विधेयक अगस्त से पहले पास होने की संभावना है।

भारत के लिए यह बड़ी चुनौती है। देश रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक है, जो सस्ते दामों पर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करता है। 100 प्रतिशत टैरिफ लागू होने पर भारतीय निर्यात जैसे फार्मास्यूटिकल्स, ऑटो कंपोनेंट्स, चमड़ा, वस्त्र और जूते अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। इससे द्विपक्षीय व्यापार प्रभावित होगा और निवेशकों को नुकसान पहुंच सकता है।

रूसी तेल पर निर्भर कंपनियों, निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों और ऊर्जा स्टॉक्स में सतर्क रहें। वैश्विक भू-राजनीति अब निवेश निर्णयों का अहम हिस्सा

बन गई है। यह घटनाक्रम भारत-अमेरिका संबंधों और वैश्विक ऊर्जा बाजार को नया मोड़ दे सकता है।



HCL टेक का डेटा सेंटर पर बड़ा दांव: ₹3,500 करोड़ निवेश, 50 MW क्षमता का लक्ष्य

डिजिटल इंफ्रा में मजबूत कदम, AI और क्लाउड डिमांड को मिलेगा बूस्ट

नई दिल्ली: एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने डेटा सेंटर क्षेत्र में ₹3,500 करोड़ का भारी निवेश करने का ऐलान किया है। कंपनी 50 मेगावाट की क्षमता वाले आधुनिक डेटा सेंटर विकसित करेगी, जो भारत के बढ़ते डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग को पूरा करेगा।

यह निवेश कंपनी की AI, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा मैनेजमेंट सेवाओं को मजबूत करेगा। HCL टेक का फोकस हाइपरस्केल डेटा सेंटर पर है, जो बड़े एंटरप्राइज और ग्लोबल क्लाउड प्रोवाइडर्स की जरूरतों को पूरा करेगा। नए सेंटर ऊर्जा कुशल और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी पर आधारित होंगे।

कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि भारत में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और AI एडॉप्शन तेजी से बढ़ रहा है। इस निवेश से HCL अपनी सर्विसेस

को और बेहतर बनाएगी तथा क्लाउड और डेटा सेंटर मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाएगी।

यह कदम HCL टेक को डिजिटल इंफ्रा सेक्टर का प्रमुख खिलाड़ी बनाएगा। कंपनी पहले से ही कई बड़े क्लाउड प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। नए डेटा सेंटर से स्थानीय रोजगार सृजन के साथ-साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी होगा।

HCL का यह निवेश भारत की डिजिटल इकोनॉमी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। AI और डेटा सेंटर की बढ़ती मांग को देखते हुए यह रणनीति कंपनी की लंबी अवधि की ग्रोथ को सुनिश्चित करेगी।



स्पेन की कंपनी सबमर का मध्य प्रदेश में \$2 बिलियन निवेश: सेमीकंडक्टर सेक्टर को नई ऊंचाई, 5000 रोजगार सृजन की संभावना

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य टेक हब बनने की राह पर, आत्मनिर्भर भारत को मजबूती

भोपाल: स्पेन की अग्रणी कंपनी सबमर (Submer) ने मध्य प्रदेश में सेमीकंडक्टर सेक्टर में \$2 बिलियन (लगभग ₹16,600 करोड़) का बड़ा निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश राज्य को देश के प्रमुख सेमीकंडक्टर हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सक्रिय पहल से यह डील हुई है, जिससे करीब 5,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

कंपनी उन्नत चिप मैनुफैक्चरिंग, डेटा सेंटर कूलिंग सॉल्यूशंस और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी पर काम करेगी। यह परियोजना पीथमपुर या अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित की जाएगी। सबमर की यह साझेदारी भारत की सेमीकंडक्टर मिशन और आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देगी।

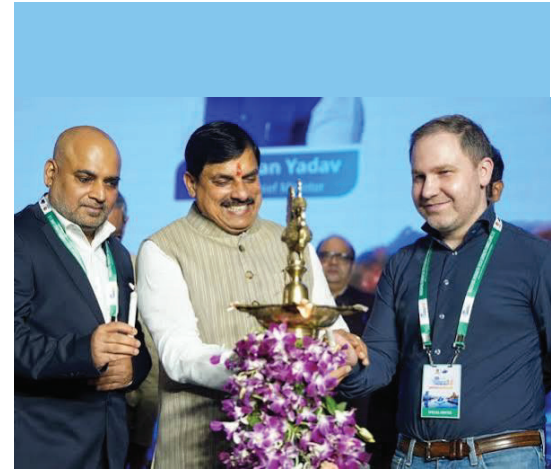
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह निवेश मध्य प्रदेश को टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का केंद्र बनाएगा। राज्य सरकार ने निवेशकों को सिंगल विंडो क्लियरेंस, भूमि उपलब्धता और

अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की हैं।

इस निवेश से स्थानीय युवाओं को उच्च कौशल वाले रोजगार मिलेंगे। सेमीकंडक्टर सेक्टर में यह विकास इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और मोबाइल मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देगा। मध्य प्रदेश सरकार का फोकस हाई-टेक इंडस्ट्री पर है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

सबमर की विशेषज्ञता डेटा सेंटर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग में है, जो AI और क्लाउड कंप्यूटिंग के युग में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह परियोजना भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर सप्लाय चैन में मजबूत जगह दिलाएगी।

मध्य प्रदेश में बढ़ते निवेश से औद्योगिक विकास तेज हुआ है। यह डील राज्य की प्रगति का प्रमाण है। आने वाले वर्षों में मध्य प्रदेश टेक और इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में उभरेगा।



आपके हर सपने के लिए एक SIP

...i wealthy



₹15,000 की मासिक SIP, 25 साल में लगभग ₹3 करोड़ का कॉर्पस बना सकती है।

क्या आप SIP से निवेश शुरू करना चाहते हैं?

अधिक जानकारी के लिए जुड़ें।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



Is Your Child's Marriage Fund Ready?

Planning for your child's wedding may require a corpus of around ₹24 lakh.



A SIMPLE PLAN CAN GET YOU THERE



A ₹7,000 SIP



With a 10% Annual Step-up



For 10 Years



Can build

~ ₹24 Lakh

corpus for child's wedding



Need less than ₹24 lakh?

The rest can support your next big goal vacation, home, retirement, re-investment, or more.

LET'S PLAN FOR THE BIG DAY.

Connect to know more

*Mutual fund investments are subject to market risk. Assumed returns @12% p.a. Figures are approximate

...i wealthy



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



Zomato Founder Deepinder Goyal Sets Sights on Health Tech and Aerospace for Next Big Venture

From Food Delivery to Frontier Sectors: Serial Entrepreneur Eyes Diversification Beyond FoodTech

Bengaluru: Deepinder Goyal, co-founder and CEO of Zomato, is reportedly exploring new investment opportunities in health tech and aerospace sectors, signalling his ambition to build the next big Indian unicorn beyond the food delivery space.

Sources close to the matter indicate that Goyal is actively evaluating startups and technologies in preventive healthcare, wearable devices, AI-driven diagnostics, and even space tech-related ventures. This diversification comes as Zomato continues to strengthen its core food delivery and quick commerce business while looking for high-growth adjacencies. Goyal's interest in health tech aligns with rising consumer focus on wellness and personalised healthcare post-pandemic. The aerospace angle reflects India's

growing ambition in defence, satellite technology, and commercial space activities. Industry observers see this as a natural evolution for a founder known for bold bets and long-term vision.

The move could see Goyal leveraging his extensive network, capital, and operational expertise gained from scaling Zomato into a listed powerhouse. His previous successes have made him one of India's most respected tech entrepreneurs.

Experts believe that successful forays into these sectors could create substantial value, given government push for self-reliance in defence and health, along with global interest in Indian innovation.

Goyal's strategic shift highlights the maturing Indian startup ecosystem, where founders are

transitioning from single-sector focus to building diversified portfolios. As Zomato maintains strong performance, Goyal's new bets could open fresh avenues for innovation and wealth creation in India's high-potential sunrise sectors.



जियो-ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड ने SEBI के पास 2 नई योजनाओं के ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए

रिलायंस और ब्लैकरॉक की साझेदारी से निवेशकों को नए विकल्प, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में नई क्रांति

नई दिल्ली: जियो-ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड ने सेबी (SEBI) के पास दो नई योजनाओं के ड्राफ्ट दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। यह कदम रिलायंस इंडस्ट्रीज और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट जायंट ब्लैकरॉक की साझेदारी को और मजबूत करेगा। दोनों नई योजनाएं निवेशकों को विविध विकल्प उपलब्ध कराएंगी और बाजार में नई ऊर्जा लाएंगी। पहली योजना इक्विटी ओरिएंटेड होगी, जिसमें ग्रोथ और वैल्यू स्टॉक पर फोकस रहेगा। दूसरी योजना हाइब्रिड या डेब्ट फोकस्ड हो सकती है, जो रिस्क-रिटर्न बैलेंस बनाए रखते हुए स्थिर रिटर्न देगी। ये योजनाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आसानी से उपलब्ध होंगी, जिससे छोटे निवेशक भी लाभ उठा सकेंगे।

जियो-ब्लैकरॉक की यह पहल भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के तेज विकास को दर्शाती है। ब्लैकरॉक की ग्लोबल एक्सपर्टीज और जियो की विशाल डिजिटल पहुंच का यह कॉम्बिनेशन निवेशकों के लिए गेम चेंजर

साबित हो सकता है। कंपनी का लक्ष्य नवीनतम टेक्नोलॉजी, AI आधारित एनालिटिक्स और कस्टमाइज्ड प्रोडक्ट्स के जरिए निवेश अनुभव को बेहतर बनाना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये नई योजनाएं म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के एसेट अंडर मैनेजमेंट को बढ़ावा देंगी। जियो-ब्लैकरॉक पहले से ही बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। इन योजनाओं के लॉन्च के बाद निवेशकों को अधिक विकल्प मिलेंगे।

यह कदम रिलायंस ग्रुप की फाइनेंशियल सर्विसेज में विस्तार की रणनीति का हिस्सा है। ब्लैकरॉक की भागीदारी से फंड मैनेजमेंट में ग्लोबल स्टैंडर्ड आएंगे।

जियो-ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड की यह पहल भारतीय पूंजी बाजार के लिए सकारात्मक संकेत है। आने वाले समय में ये योजनाएं लाखों निवेशकों को आकर्षित कर सकती हैं।



Q1 Earnings Season Kicks Off: Wipro and Union Bank Set the Tone for Corporate India's Performance

Mixed Bag of Results as IT and Banking Sectors Show Resilience Amid Global Uncertainties

Mumbai: The Q1 FY27 earnings season has officially begun, with Wipro and Union Bank of India leading the corporate scorecard. As nearly all major companies have released their results, the overall picture reflects resilience in key sectors despite moderating global demand, inflationary pressures, and geopolitical uncertainties.

Wipro reported a steady performance with consolidated revenue growing 6.2% year-on-year to ₹22,300 crore. Net profit stood at ₹2,850 crore, up 8.1% from the previous year. The IT major highlighted strong deal wins in cloud, digital transformation, and cybersecurity segments, though margin pressures from wage hikes and talent retention persisted. Union Bank of India posted robust numbers with net profit rising 18% to ₹2,150 crore. Total advances grew 12.5%

while deposits increased 10.8%. Asset quality improved significantly with gross NPA declining to 4.8%. The bank's focused strategy on retail, MSME, and agriculture lending paid rich dividends.

Other key results showed mixed trends. Several IT firms reported modest growth with cautious commentary on deal pipelines. Banking sector maintained healthy credit growth with improving asset quality across public and private players. FMCG companies saw volume recovery in rural markets while auto sector posted varied performance depending on segment.

The earnings season so far indicates that corporate India is navigating challenges effectively through cost optimisation and focus on high-growth areas. Analysts expect full-year guidance from management commentary to

provide better clarity on the growth trajectory for the remainder of FY27.

Overall, the Q1 numbers suggest cautious optimism. While IT and banking sectors have delivered steady performances, the coming quarters will be crucial for assessing the impact of domestic consumption recovery and government capex cycles on broader corporate earnings.



श्रीराम एएमसी ने तीन हाइब्रिड फंड्स के लिए रिफ्रेश्ड फंड ऑपचुनिटी का ऐलान किया

निवेशकों को बेहतर रिटर्न और संतुलित पोर्टफोलियो का नया विकल्प, हाइब्रिड फंड्स में नई ऊर्जा

मुंबई: श्रीराम एसेट मैनेजमेंट कंपनी (Shriram AMC) ने अपने तीन प्रमुख हाइब्रिड फंड्स के लिए रिफ्रेश्ड फंड ऑपचुनिटी की घोषणा की है। यह कदम निवेशकों को बेहतर रिस्क-रिटर्न बैलेंस, डायवर्सिफिकेशन और लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने के नए अवसर प्रदान करेगा।

कंपनी के तीन हाइब्रिड फंड्स – श्रीराम हाइब्रिड इक्विटी फंड, श्रीराम बैलेंस्ड एडवांटेज फंड और श्रीराम कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड – अब नए फोकस के साथ उपलब्ध होंगे। इनमें इक्विटी और डेब्ट का अनुपात को ऑप्टिमाइज किया गया है ताकि बाजार की अस्थिरता में भी स्थिर रिटर्न मिल सके। फंड मैनेजमेंट टीम ने पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है, जिसमें हाई-ग्रोथ सेक्टरों के साथ-साथ डिफेंसिव स्टॉक्स को शामिल किया गया है।

श्रीराम एएमसी के अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान बाजार परिदृश्य में हाइब्रिड फंड्स निवेशकों के लिए आदर्श विकल्प साबित हो रहे हैं। इन फंड्स में इक्विटी कंपोनेंट से ग्रोथ और डेब्ट से स्थिरता मिलती है। रिफ्रेश्ड

स्ट्रेटजी के तहत फंड मैनेजमेंट टीम ने पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

यह घोषणा म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के तेज विकास को दर्शाती है। श्रीराम एएमसी का फोकस रिटेल निवेशकों को सस्ते, पारदर्शी और परफॉर्मेंस आधारित उत्पाद उपलब्ध कराने पर है। कंपनी के पास पहले से मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है, जो इन योजनाओं को बड़े स्तर पर पहुंचाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि हाइब्रिड फंड्स वर्तमान में निवेशकों की पहली पसंद बन रहे हैं क्योंकि ये इक्विटी की ग्रोथ और डेब्ट की सुरक्षा का संतुलन प्रदान करते हैं। श्रीराम एएमसी की यह पहल निवेशकों को लंबी अवधि के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी और बाजार की अनिश्चितता में सुरक्षा कवच प्रदान करेगी।

कंपनी का यह कदम म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा बढ़ाएगा और निवेशकों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराएगा। श्रीराम हाइब्रिड फंड्स अब और अधिक आकर्षक हो गए हैं। निवेशक इन योजनाओं के माध्यम से अपने पोर्टफोलियो को मजबूत कर सकते हैं।



India Misses \$7 Billion Apparel Export Opportunity Due to Supply Chain Gaps: Study

Structural Bottlenecks Hamper Growth in Key Sector; Urgent Reforms Needed to Boost Competitiveness

Mumbai: India is losing out on potential apparel exports worth up to \$7 billion annually due to persistent supply chain gaps, according to a recent industry study. Despite being one of the world's largest textile producers, the country struggles with fragmented supply chains, high logistics costs, and inadequate infrastructure.

The study highlights issues such as delayed procurement of raw materials, skill shortages in garment manufacturing, and limited adoption of automation and digital tracking systems. These bottlenecks reduce efficiency and make Indian exporters less competitive compared to countries like Bangladesh and Vietnam, which have streamlined their supply chains.

The apparel sector is a major employment generator, particularly for women in rural and semi-urban areas. Addressing these gaps could significantly boost exports, create millions of jobs, and contribute to economic growth. Industry experts recommend greater focus on cluster development, technology adoption, and policy support for logistics and skill development.

The government has initiated several schemes to promote textile exports, but faster implementation and industry collaboration are needed to realise the full potential. As global buyers seek diversified sourcing options, India has a strong opportunity to capture a larger share of the international apparel market.



कैबिनेट ने नई यूरिया निवेश नीति को मंजूरी दी: 8-9 गैस-आधारित प्लांट्स स्थापित होंगे

कृषि क्षेत्र को मजबूती, आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम; यूरिया कंपनियों के शेयरों में तेजी

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने नई यूरिया निवेश नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति के तहत देश में 8-9 नए गैस-आधारित यूरिया प्लांट्स स्थापित किए जाएंगे। यह फैसला देश को यूरिया में आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने का बड़ा कदम है।

नई नीति के तहत निजी क्षेत्र की कंपनियां भी प्लांट्स लगाने के लिए प्रोत्साहित की जाएंगी। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी और कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। सरकार का लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाकर किसानों की लागत कम करना है।

इस खबर से यूरिया और फर्टिलाइजर कंपनियों के शेयरों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (NFL), राष्ट्रीय रासायनिक एवं उर्वरक लिमिटेड (RCF), चंबल फर्टिलाइजर्स, कोरोमंडल इंटरनेशनल और जुआरी एग्रो केमिकल्स जैसे स्टॉक्स में बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

यह नीति मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती देगी और ऊर्जा कुशल प्लांट्स के जरिए उत्पादन लागत को नियंत्रित करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नए प्लांट्स से रोजगार सृजन के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

कैबिनेट का यह फैसला किसानों और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा। आने वाले समय में यूरिया उत्पादन में वृद्धि से आयात बिल कम होगा और किसानों को सस्ता उर्वरक उपलब्ध होगा।



अल्ट्राह्यूमन \$400 मिलियन वैल्यूएशन पर \$60 मिलियन जुटाने की बातचीत में: हेल्थटेक स्टार्टअप को बड़ा बूस्ट

स्मार्ट वियरेबल्स और हेल्थ टेक में तेजी, कंपनी का वैल्यूएशन नई ऊंचाई पर

मुंबई: भारतीय हेल्थटेक यूनिकॉर्न अल्ट्राह्यूमन (Ultrahuman) \$400 मिलियन वैल्यूएशन पर \$60 मिलियन (लगभग ₹500 करोड़) की फंडिंग जुटाने की बातचीत में है। यह राउंड कंपनी के तेज विस्तार और नई प्रोडक्ट लाइन लॉन्च करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

अल्ट्राह्यूमन स्मार्ट रिंग्स, हेल्थ ट्रैकिंग डिवाइसेस और AI आधारित हेल्थ इंसाइट्स प्रदान करती है। कंपनी का फोकस मेटाबॉलिक हेल्थ, फिटनेस और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर पर है। पिछले वर्षों में कंपनी ने तेजी से ग्रोथ की है और लाखों यूजर्स तक पहुंच बनाई है।

यह फंडिंग राउंड अल्ट्राह्यूमन को ग्लोबल मार्केट में अपनी उपस्थिति

मजबूत करने, रिसर्च एंड डेवलपमेंट बढ़ाने और नए मार्केट्स में एंट्री करने में मदद करेगा। कंपनी पहले से ही भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सक्रिय है।

हेल्थटेक सेक्टर में बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए यह डील महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अल्ट्राह्यूमन का यह कदम भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए सकारात्मक संकेत है।

कंपनी के फाउंडर्स का मानना है कि यह निवेश हेल्थ टेक इनोवेशन को नई गति प्रदान करेगा और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को मुख्यधारा में लाएगा। अल्ट्राह्यूमन जल्द ही नए प्रोडक्ट्स लॉन्च करने की योजना बना रही है।



क्विक क्लीन ने स्टैकबोट कैपिटल के नेतृत्व में जुटाए \$14 मिलियन: क्लीनटेक स्टार्टअप को बड़ा बूस्ट

स्वच्छता और सस्टेनेबल सर्विसेज में तेजी, निवेश से विस्तार की नई राह

नई दिल्ली: क्लीनटेक क्षेत्र की उभरती कंपनी क्विक क्लीन (Quick Clean) ने स्टैकबोट कैपिटल के नेतृत्व में \$14 मिलियन (लगभग ₹117 करोड़) की फंडिंग जुटाई है। यह राउंड कंपनी के तेज विस्तार और नई टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए उपयोग किया जाएगा।

क्विक क्लीन ऑन-डिमांड क्लीनिंग सर्विसेज, पर्यावरण अनुकूल प्रोडक्ट्स और सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्रदान करती है। कंपनी घरेलू, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेगमेंट में सेवाएं दे रही है। इस फंडिंग से कंपनी अपने ऑपरेशंस को और शहरों में फैलाएगी, AI आधारित बुकिंग सिस्टम को मजबूत करेगी और ग्रीन टेक्नोलॉजी पर फोकस बढ़ाएगी।

स्टैकबोट कैपिटल के साथ अन्य निवेशकों ने भी भाग लिया। कंपनी के फाउंडर ने कहा कि यह निवेश क्लीनटेक सेक्टर में बढ़ती जागरूकता और मांग को पूरा करने में मदद करेगा। क्विक क्लीन का मॉडल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कुशल सेवा प्रदान करता है।

यह फंडिंग भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में क्लीनटेक की बढ़ती महत्वपूर्णता को दर्शाती है। क्विक क्लीन अब बड़े स्तर पर विस्तार के लिए तैयार है और आने वाले समय में अधिक शहरों में अपनी सेवाएं शुरू करेगी।



Temasek-Backed Agritech Startup Rize Raises \$31 Million to Fuel Expansion Plans

Fresh Capital to Accelerate Tech-Driven Farming Solutions Across India and Beyond

Mumbai: Rize, a promising agritech startup backed by Singapore's Temasek Holdings, has successfully raised \$31 million in a new funding round. The investment will support the company's aggressive expansion plans, including technology upgrades, new market entry, and strengthening its farmer network.

Rize leverages artificial intelligence, satellite imagery, and data analytics to provide precision farming solutions, helping farmers optimise yields, reduce costs, and adopt sustainable practices. The startup has already made significant inroads in several Indian

states by offering crop monitoring, advisory services, and supply chain efficiencies.

The fresh capital comes at a time when agritech is gaining strong traction amid rising focus on food security, climate resilience, and increasing farmer incomes. Temasek's continued backing signals strong confidence in Rize's business model and the broader potential of technology in transforming Indian agriculture.

Company executives stated that the funds will be used to scale operations, enhance product offerings, and deepen partnerships with agribusinesses and

government initiatives. This round is expected to accelerate Rize's journey towards becoming a leading player in the agritech space.





Shri Pradeep Karambelkar, Executive Director, BNI Bhopal engages in a cordial interaction with Shri Vishwas Sarang, Hon'ble Cabinet Minister, Government of Madhya Pradesh, during the MSME Industrial Expo 2026 at Govindpura, Bhopal



Shri Pradeep Karambelkar, Executive Director, BNI Bhopal appeared as a Business Expert on the Debate First program aired by Public First News Channel